

ॐ । ईवर्तुर्वन्नैवत्रदहृद्गुणश्चैषांरक्तमवाप्तुद्वयमुपवर्तिता रक्षा वल्लभा यथा ॥

XIV Боть

462 цаас

TI444 - 001

५॥॥ १॥॥ १॥॥ १॥॥

101

[illegible]

संस्कृत-विभाग

[illegible]

[illegible]

[illegible]

7 [illegible]

1

[illegible]

222

1. **12** **13** **14** **15** **16** **17** **18** **19** **20** **21** **22** **23** **24** **25** **26** **27** **28** **29** **30** **31** **32** **33** **34** **35** **36** **37** **38** **39** **40** **41** **42** **43** **44** **45** **46** **47** **48** **49** **50** **51** **52** **53** **54** **55** **56** **57** **58** **59** **60** **61** **62** **63** **64** **65** **66** **67** **68** **69** **70** **71** **72** **73** **74** **75** **76** **77** **78** **79** **80** **81** **82** **83** **84** **85** **86** **87** **88** **89** **90** **91** **92** **93** **94** **95** **96** **97** **98** **99** **100**

[illegible]

[illegible]

15

[illegible]

1

TI444-017

། རྒྱ་མ་ལ་འདྲེན་པའི་ཞེས་པའི་ཕྱུ་མའམ་མི་ཞོན་པུ་ཞོན་ཅེས་བྱ་བ་འཇུག་པའོ། །

[illegible]

23 ॐ

॥ गङ्गादेवी ज्योतिर्लिंग स्वरूपे भूतेश्वर्यो भवेत्तु ॥

।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

33

—

ཁོ་རྒྱུ་གི་སྐད་ཀྱི་མཛན་པ།

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

43

20

[illegible]

TI444 - 045

TI444 - 048

[illegible]

[illegible]

55 ཨ །སེད་ཀ་དྲེང་མ་འེག་ཏེ་ར་འབུལ་རྒྱལ་པ་ཐེར་རྒྱུ་ཀའི་ཕྱིར་བསྐྱུ་པ་མེས་ཐུ་བ་བཟུགས་སོ། །

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।
 कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः ।
 कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः ।
 कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः ।

[illegible][illegible][illegible]

61 

॥ यो नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

64

༣༢ གཙུག་མའི་ཕྱི་རེ་མཆོད་པ་ལོ། ལྷ་པར་ལོ་མོ་མ་རྟེན་གྱི་ཡི་གེ་མ་གཏིས། ར་གསུམ་ཚུ་རྣམས་པ་མེས་པར་སྟེ།
 གི་མེད། དེ་མཆོད་པ་རྣམས་ཀྱིས་ཐུགས་པར་ཕྱོད། གཏིས་པ་ཐུབ་ཚུ་མོ། རྟེན་པ་ལྟེ་རྟེན་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། བར་མཆོད་པ་
 མཆོད་པ་ལྟེ་རྟེན་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། དེ་མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ།
 ག་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ།
 གི་མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ།
 གི་མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ།
 65 མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ། མཆོད་པ་ལྟེ་པོ་མ་གཏིས་པ་ལོ།

66

[illegible]

68 བའི་དབུས་སུ་སྒྲུ་ཆོག་སྒྲུ་པ་རྒྱ་དང་ཉི་མ་དང་ཡེ་ཤི་གཤམ་གསུམ་ལ་རྒྱ་རྒྱ་ཡེ་ཤི་ལས་དབུས་སུ་ཡེ་ཤི་ལས་ཀྱི་
 མཁའ་ལྷོ་མ་སྤོང་གི་ཤི་གཤོང་པ་ཅན་དག་ལྟོ་གཡས་སུ་ཡེ་ཤི་ལས་ཀྱི་མཁའ་ལྷོ་མ་རྒྱ་མ་རྒྱ་གི་
 གཤོང་པ་ཅན་དམར་ལྟོ་གཡས་སུ་ཡེ་ཤི་ལས་ཀྱི་མཁའ་ལྷོ་མ་རྒྱ་མ་རྒྱ་གཤོང་པ་ཅན་དམར་ལྟོ་གཡས་སུ་ཡེ་ཤི་ལས་ཀྱི་
 གཤོང་པ་ཅན་དམར་ལྟོ་གཡས་སུ་ཡེ་ཤི་ལས་ཀྱི་མཁའ་ལྷོ་མ་རྒྱ་མ་རྒྱ་གི་ཤི་གཤོང་པ་ཅན་དམར་ལྟོ་གཡས་སུ་ཡེ་ཤི་ལས་ཀྱི་
 བའི་ཤི་གཤོང་པ་ཅན་དམར་ལྟོ་གཡས་སུ་ཡེ་ཤི་ལས་ཀྱི་མཁའ་ལྷོ་མ་རྒྱ་མ་རྒྱ་གི་ཤི་གཤོང་པ་ཅན་དམར་ལྟོ་གཡས་སུ་ཡེ་ཤི་ལས་ཀྱི་
 བའི་ཤི་གཤོང་པ་ཅན་དམར་ལྟོ་གཡས་སུ་ཡེ་ཤི་ལས་ཀྱི་མཁའ་ལྷོ་མ་རྒྱ་མ་རྒྱ་གི་ཤི་གཤོང་པ་ཅན་དམར་ལྟོ་གཡས་སུ་ཡེ་ཤི་ལས་ཀྱི་
 བའི་ཤི་གཤོང་པ་ཅན་དམར་ལྟོ་གཡས་སུ་ཡེ་ཤི་ལས་ཀྱི་མཁའ་ལྷོ་མ་རྒྱ་མ་རྒྱ་གི་ཤི་གཤོང་པ་ཅན་དམར་ལྟོ་གཡས་སུ་ཡེ་ཤི་ལས་ཀྱི་

༣༣ ། ཆེ་རི་རྒྱ་རྒྱུ་འབྱུང་པ། རྒྱལ་གཡས་འབྱུང་ཆེ་གཡེན་འབྱུང་པའི་གར་སྐབས་
 གྱིས་ཡེ་ཞེས་གྲི་མེ་དཔུང་རབ་རྩ་འབར་པའི་དཔུས་ན་འབྱུངས་པའི་གཙུ་འཁོར་ཐམས་ཅད་གྲི་གྲི་པོར་
 རྩོད་མཁུན་པར་ལྷུང་ཐུགས་ཀར་རྩྱ་གིས་མཚན་པར་གྱུར། རང་རང་དེ་དག་གི་ཐུགས་ཀར་རྩྱ་
 ཡས་འེད་ཟེར་འཕྲོས་པས། ཐུགས་འབྱུངས་སྒྲ་མ་ཡིད་མ་སེལ་རྒྱས་ཕུང་སེལ་སེལ་ཆེས་འབྱུང་
 རྒྱལ་སྤང་། མཁུན་གྲི་གཞས་ནས་ཡེ་ཞེས་གྲི་མཁུན་འཕྲོ་མ་སེལ་གའི་གཤོང་པ་ཅན་པ་མཁུན་
 འཕྲོ་མ་ཕྱི་པ་འབྱུང་གྲི་ཆེན་གྱིས་འབྱོར་བ་སྐྱུ་དཔེས་འཕྲོ་ས་མཛོལ་རྩྱ་དཔེས་གསུམ་རྒྱལ་
 བ་མ་ཡུས་འབྱུང་མཛོལ་མ། རྒྱལ་ཉམས་དག་འགགས་ཐལ་པར་འབྱུང་མཛོལ་མ། ཡེ་ཞེས་

70

70

[illegible]

ཏི་ཅི་པས་དང་ཅི་པས་མཚམས་ཀྱི་མཁའ་འགྲོ་མ་དང་ཁྱོ་བོ་འཛིན་གསུམ་གྱི་ཐུགས་རྒྱུད་དུ་བསྐྱུལ་
 པས། དེ་མཚམས་ཀྱིས་ཞལ་བྱེད་བསྐྱུར་ཞིང་དེ་དེ་དང་མེད་སྤྱད་འབར་བའི་ཚོགས་སྒྲོང་གསུམ་གང་
 བར་སྒྲོས་པ་ལས། བསྐྱུལ་བྱ་ལ་གཞོན་པར་བྱེད་པའི་མདུན་གོ་དབྱེད་པ་གཉིས་མེ་ཁ་དཀར་མཁ་པ་
 རིམ་གྱི་བྱུང་ཁ་ཐུར་ཁ་མཐུག་དང་དེ་ཐུགས་ཅན་དུ་བོད་གཏོང་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་
 མེག་མེད་དུ་བཅོམ་ཞིང་བསྐྱེད་གསུམ། འཁོར་ལོ་དུག་ཏུ་འཁོར་བའི་དབལ་གྱིས་གདུགས། རྒྱལ་
 པའི་ཁྱོ་བོ་དང་ཁྱོ་མོ་གདོང་བརྒྱན་སྒྲོ་ཚོགས་ཅན་བསམ་གྱིས་མི་ཕྱེད་པས་སྒྲོང་གསུམ་གྱི་མཁའ་
 བསྐྱུལ། ལྷུ་ལ་ཁྱོ་བོ་དང་ཁྱོ་མོ་མཚམས་ཞལ་ནད་དུ་གསྐྱེས་པ་ལས་བསྐྱུལ་བྱ་ལ་བྱེད་

73

74

75 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000

76

[illegible]

77

78

78

२४५

79

[illegible]

180 - 7771

80

TI444 - 082

[illegible]

[illegible]

[illegible]

88

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

106

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

129

131

221

[illegible]

1

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

136

[illegible]

138 *[Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation of the previous page's content.]*

[illegible]

[illegible]

[illegible]

143

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

149

[illegible]

ॐ॥ मगद'मरि'रा'रा' १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

[illegible]

154

[illegible]

156

TI444 - 158

157 ༡༢༡

ཁོ་འཕྲིན་སྒྲིལ་ཨ་གཞན་གྱི་མ་ཕུ་འཛིན་ལ་ཡལ་བ་ཏེ་གནས་ཕྱི་ཁ་འཛིན་གྱི་མཉན་དག་གསུམ་ཕྱགས་འཁོར་པའི་རབ་འཕེལ་ཞེས་ཀྱང་བ་ཐུགས་སོ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

164

175

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

10

TI444-179

TI444 - 181

180

181

31

[illegible]

184

185

[illegible]

188

TI444 - 190

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

196

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

206

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

214

TI444 - 216

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

219

TI444 - 221

221. [Sanskrit text in Devanagari script, likely a continuation of the previous page's content, starting with '221.' and ending with '...']

།སྐྱུ་ཡི་དམ་ཚེས་སྒྲིང་གི་གཏོར་ཚོག་ལ་ཉེར་བདེ་ལས་རིམ་དང་བཅས་པ་དཔའ་བོའི་གོ་མོའི་མཁོ་བཞེས་བྱས་པ་ལྟགས་སོ། །

[illegible]

[illegible]

240

[illegible]

གཤམ་གསལ་ལྟར་། འདི་ལོ་ཕྱི་ལོ་འདྲེན་གྱི་ཉ་ག་ཉེ་ག་གང་དམ་མི་དགོས་སོ། །བཟ་གིས་ཀྱི་ཚོགས་པ་ཅན་གནད་ཅན་གཅིག་གམ་གསུམ་ཅན་པ་རྗེས་མེད་མེད་ཅིག་གི་ཆར་དཔལ་པར་བྱའོ། །
འཕྱོག་བསྐྱར་བྱ་བར་འདོད་ན། གོང་གི་བསྐྱོག་པ་འི་ཆ་བུ། རྒྱ་སྤྱ་མ་ཡི་དམ་འཇམ་དཔལ་ག་གི་ཆར་རྗེས་མེད་ཅིག་ལོ། །བཟ་པ་ལྗོངས་དམ་ཅན་ག་གི་ཆར་རྗེས་མེད་ཅིག་གི་ཆར་ལོ། །ཕྱི་གསལ་ལྟར་བཅོ་ལྔ་འཁོར་དང་བཅས་རྒྱལ་སྤྱི་
ཀྱིས། །དངོས་པ་ལམས་ཡིད་ལྷུ་ལ་མཆོད་གཏོར་འདི་བཞེས་ལ། །རྗེ་བཙུན་སྤྱ་མ་འི་སྤྱ་ཆོ་འཕྲིན་ལས་ལ། །གཞོན་ཕྱིད་དག་བཞེས་སྤྱི་རྒྱལ་ཆེན་དམ་བསྐྱོག་ཏུ་གསོ་ལ། །ཁྱུ་ལ་བསྐྱར་སྤྱི་དང་ཁྱུ་ལ་
ཅོད་ཁ་པ་འི། །བསྐྱར་པ་ཁྱུ་ལ་པ་འི་འགལ་སྤྱི་རྒྱལ་ཆེན་བསྐྱོག་ཏུ་མ་དགོན་ཕྱིད་དགོ་འདྲེན་ལོ་མ་བདག་འཁོར་བཅས་ལ། །གཞོན་ཕྱིད་ཆེན་དམ་ཐམས་ཅད་མེན་གསུམ་ཡི་བྱུང་སྤྱི་རྗེས་ཕྱུགས་ཆོར་ལ། །
རྒྱ་བྱེད་འཕྲོག་བྱེད་དམ་པ་མ་རྒྱལ་འཕྲོར་བདག་ཅན་འཁོར་དང་བཅས་པ་ལ། །མ་ཆོ་མི་ལ་དམ་བྱེད་མ་རྒྱལ་དམ་དམ་ཁྱུ་སྤྱི་རྒྱལ་ཕྱུགས་ཆོར་ལ། །སྤྱི་གཉན་པ་བདག་གཞོན་པ་མ་རྒྱུ་འཕྲོག་
སྤྱི་དང་འཕྲོག་པེས་འཕྲུལ་གཟེར་ཆད་སོགས་ལ། །ཁྱུ་ལ་འགོང་བཅོན་གྱི་གཞོན་པ་ལྷུས་ཡི་ཁ་ཐམ་སྤྱི་འགལ་མི་རྒྱལ་སོགས་ལ། །གཟེར་དང་ཁྱུ་སྤྱི་གཞོན་པ་མ་རྒྱུ་དང་པོག་གི་ཆོ་མེས་པ་མེད་ཏུ་
སོགས་ལ། །འགོ་ཆད་དམ་པ་ཐམས་ཅད་མི་ལ་ཆད་དང་ཕྱུགས་མེས་ལོ་ཉེ་ག་ལ། །མཛད་སྤེལ་ཐན་སོགས་ཆེན་དམ་ཐམས་ཅད་ལ་གྱི་བ་དང་སྤྱི་པ་བཙུ་ཐེད་དང་གཞོན། །ཐམ་ཆོར་རྗེས་འབྱུང་འདྲེ་

དང་མི་སྒྲུང་འཆི་བ་མེད། །མད་ལེམས་ལ་སོགས་ཐུན་མཛོད་དེས་གྲུབ་དང་། །མཆོག་གི་དེས་གྲུབ་ཉིད་ཀྱང་ཐུར་དུ་སྒྲུབ་པ། །ཁམས་གསུམ་ཀུན་གྱི་བས་མོར་ལོངས་སྤྱོད་དང་། །
 །ཁ་དྲག་དབང་ཆེན་རྒྱལ་ས་ཐུན་སྒྲེལ་གྲུ་། །ཁབ་ལེན་རྩེ་ལ་ཕྱགས་སྒྲེལ་བས་འདུས་བཞིན། །ཐོགས་མཛོད་དབང་དུ་འདུ་བར་མཛོད་དུ་གསོལ། །གཡ་ཏེ་ཆེ་བའི་ལས་གྲིས་མ་འདུལ་བའི། །
 ཐུང་བའི་དག་དང་གཞོད་པའི་བགོགས་གྱི་རིགས། །མདོན་སྒྲིག་ཉིད་ཉིད་ཕྱི་ནང་གར་གནས་ཀྱང་། །དྲག་པོའི་ཆད་པས་ཐུར་དུ་ཆར་གཅོད་མཛོད། །ཆོས་སྒྲེལ་ཉིད་གནས་དགོ་འདུན་གཙུག་ལག་ཁང་། །
 ཅེན་གསུམ་མཆོད་ཆ་སྤྱི་རྩལ་སྤྱིན་བདག་རྒྱལ་ས། །ལོགས་པར་གཏད་དོ་མཐུ་ཐུན་བསྐྱུང་མ་རྒྱལ་ས། །ཉིན་མཆོན་གྲུ་ཏུ་གཡེལ་མཛོད་སྤྱོད་བར་མཛོད། །སྤྱིགས་མའི་དུས་འདིར་མག་ཕྱོགས་
 མཐུ་ཆེ་ཡང་། །བསྐྱུང་བསྐྱུང་ཕྱིར་གྱི་མཐུ་སྤྱོད་པ་དེ་བས་ཆོ། །དེ་སྤྱིར་སྤྱོད་གྱི་སྤྱོད་ལམ་དམ་བཅའ་རྒྱལ་ས། །དུན་པར་མཛོད་ལ་རེ་སྤྱོད་དོན་ཐུན་མཛོད། །མདོར་ན་ཁམས་གསུམ་
 སྤྱི་མ་ཅོད་ཁ་པའི། །མདོ་ཐུགས་བསྐྱུང་དང་བསྐྱུང་ལེན་གཅེས་སྤྱོད་མཁུ་། །སྤྱོད་སྤྱོད་སྤྱོད་མོ་ཡོན་བདག་མཐུར་དག་གི། །རེ་བ་བམས་ཅད་ཆོས་བཞིན་ཐུར་འགྲུབ་མཛོད། །ཆོས་མོད་དོན་
 ཐུས་པར་གསོལ་བའི་མཐུ་ཏུ། །མན་རྒྱ་གི་རང་དམ་གཞན་བསྐྱུང་གི་དམིགས་པ་དང་བཅས། །ཅེས་པ་ཕྱོད་བསྐྱུང་པ། །ཅེས་ཏེ་གཅིག་སོགས་མཛུ་བསྐྱུང་པ་སྤྱོད་ཉིད་ཀྱི་རུ་སྤྱོད་བཞིན། །གནན་རྒྱལ་ས་ཐུན་བཞིན་མོ། །ཏེ། །ལོ་དང་

བསོད་ནམས་དཔལ་ཕྱོར་བདེ་ཞིང་སྒྲིམ། །འཁོར་དང་ལོངས་སྤྱོད་ཕུན་སུམ་ཚཱུགས། །མངའ་ཐང་ཕྱུག་གྲགས་ཕུ་གཡང་འཕེལ། །ཐོས་བསམ་སྒྲོམ་པའི་ཤེས་རབ་དང་། །བསྐྱབ་གསུམ་རྩེ་གཉིས་
 ལུང་རྟོགས་གྲི། །བཤད་སྒྲུབ་གཞན་པོ་འཕྲིན་ལས་རྒྱམས། །ཡམ་དེའི་ལྷ་བཞིན་གོང་འཕེལ་དུ། །ཁྱེས་པའི་འཕྲིན་ལས་འཕྱུག་པར་མཛོད། །ཙྰ་ཀུ་ལ་རྒྱ་པ་ལེགས་ཚཱུགས་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་
 དཔྱིད་ཀུ་རུ་ཙྰ། ཞེས་པས་ཕྱུག་ཕྱུག་ཕྱུག་པས་ཁྱེས་པའི་ལས་མཛོད་པར་བསམ་མོ། །པར་གྱི་རྒྱལ་རྒྱུ་པ་བཟུངས་ནི། གཞན་པམས་ཅད་ཕྱུག་དང་ལུ་པ། གཏོར་མ་དམར་པོར་བསྒྲུབ། འགོར། གཏོར་མ་གྲོམ་ཐམས་ཅད་ཆགས་པའི་
 རྒྱུ་འཕྱུར་གྲིས། །སྒྲུ་ལས་འོང་བེར་དམར་པོའི་ཚཱུགས་འཕྲོ་ཞིང་། །སྒྲེ་འགྲོའི་དབང་ཐང་ཐམས་ཅད་འོང་བེར་གྲི། །རྒྱུ་པར་བསྐྱུས་དེ་གཏོར་མ་ལ་ཐིམ་གྲུ། །ཅེས་པ་དང་། །ཕྱགས་ཕྱུག་ཕྱུག་
 དམར་པོ། འཕྲིན་བཅོལ་གྱི་སྒྲུབས། །ཐམས་པམས་དབང་དུ་འདུ་བའི་འཕྲིན་ལས་མཛོད། །ཅེས་ཐལ་མོ་གྲུ། གཏོར་མ་གྱི་ལོ་རྒྱུ་གཏོར་བ་སྒྲིམ་གྱི་ཚོ། ཟག་མཛེ་བདུ་རྩི་ཆེན་པོ་ཡི། །གཏོར་མ་རྒྱ་མཚོ་མཚོ་དཔར་
 བཞེས། །བདག་ཅག་དཔོན་སྒྲོབ་འཁོར་བཅས་གྲི། །པོ་བདེའི་གྲོགས་སུ་དགོས་པ་ཡི། །དྲེགས་ཕྱུག་རྒྱལ་སྒྲོམ་ལུ་པ་མི་དང་། །ཕྱི་སྒྲུ་གཏོར་སྒྲིན་མཐུ་ཆེན་དང་། །ཆོས་གྱི་གྲོགས་དང་ཐུག་
 གཡོག་སྒྲོགས། །སྤྱིང་ཞིའི་དཔལ་ཕྱོར་ལེགས་ཚཱུགས་ཀུ། །འབ་ལེན་རྩི་བའི་འཕྱུག་འཁོར་གྲིས། །ཕྱགས་ཕྱི་གཡོ་ཞིང་། །རྒྱུ་པ་ཕྱུག་སྒྲིམ་ཅེས་ཀྱི་ཉིང་ལ་དབང་མཛོད་དུ། །དབང་དུ་རྒྱ་བའི་

[illegible]

250

[illegible]

252

TI444 - 254

[illegible]

255

२. माताजीच्या आज्ञेनुसार
होय

T1444 - 257

[illegible]

[illegible]

261
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

273

[illegible]

ཀམ་མེད་པོ་ཉི་ཤུ་གསུམ་ཀྱི་གནས་སུ་བ་མོ་གསུམ་པ་མཉམ་པ་ལས་ལྷན་པ་ལྟ་བུ་ལྟོས་པ་དེ་རེ་ལྷན་པ་སྟེ་མེད་ཉི་ཤུ་གསུམ་ཀྱི་གནས་སུ་བ་པ་ལྷན་པོ།

میں نے

276

[illegible]

281

221

॥ दयायाः प्रसन्नं हृदयं देवतादेवताः प्रसन्नं हृदयं देवतादेवताः प्रसन्नं हृदयं देवतादेवताः ॥

1

283

[illegible]

284

T1444 - 286

285

॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

མེད་ཅེས་པའི་ལམ་མཛོད།

१८ सुपसा मवेकं द्वे द्वे पञ्चदशैरेव द्वावप्यष्टयः । सुपसा द्वे द्वे द्वे द्वे पञ्चदशैरेव द्वावप्यष्टयः । सुपसा मवेकं द्वे द्वे द्वे पञ्चदशैरेव द्वावप्यष्टयः । सुपसा रवेकं द्वे द्वे द्वे पञ्चदशैरेव द्वावप्यष्टयः ।

॥५॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

288



ཁ་མོ་རུ་དེ་ཤ་ཅ་ཏུ་སྒྲུབ་པ། རྩི་དེ་རུ་གཙང་པ་ལ་སྐྱེ་ན་སྦྱེས་རེ་ལ་པ་ལས། ་འབུད་མེད་ཀྱི་ཁ་ཤིང་ཕྱུག་ཟེ་དཔའ་ཡོད་ཆུང་། ་འཇོག་སྐད་པ་ཞིང་སྐྱུ་པ་བའི་བུ་སྐྱེ་བ་ཕྱུང་ཁུ་མ་གྱི་གཙོ།

292

TI444 - 294

295

TI444 - 297

རེ་ཡང་མཛོད་ལྷན་པ་ལྟར་མཛོད་པ་ལྟར་པའི་སྒྲིག་ཤིང་གྲུབ་དབང་གི་རྩི་ཕྱིན་པའི་ཆོས་ལ་སྤྱོད་པར་ཕྱེས་པ་ཅན་པའི་ལོ་ལྟར་གསལ་བཅུ་ལ། ཆོས་སྒྲིབ་དྲེས་ལ་པ་ལྟར་ལྟར་སྒྲིག་བདག་དཔལ་༥ ༥ེས་པ་འཛོམས་པ་ལྟར། དཔལ་མཛོད་ལྟར་པའི་པ་དང་དྲུག་པོ་དཔལ་ལྟར། ཆོས་ལྟར།
 རྒྱལ་ཆོས་པའི་ལྟར་ཅན་དང་རྩི་ལྟར། ཆོས་ལྟར། ལྟར་ཆོས་པའི་དྲེས་པ་ལྟར། ཆོས་ལྟར། སྒྲིག་བདག་ཆོས་སྒྲིབ་པ་ལྟར། ཆོས་ལྟར། རྩི་པ་དྲུག་པོ་དཔལ་ཅན་རྩི་ལྟར། ཆོས་ལྟར། རྩི་པ་དྲུག་པོ་དཔལ་ཅན་པའི་
 སྒྲིབ་ཆོས་སྒྲིབ་པ་ལྟར། ཆོས་ལྟར།

1992

299 =

[illegible]

ॐ

[illegible]

[illegible]

305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000

[illegible]

[illegible]

[illegible]

313

[illegible]

321

[illegible][illegible]

རྩུམ་ཡིན། །ཡལ་མེད་ཤར་སྤོང་ཤིང་ཡིན། །ཡུམ་ནི་འཕུལ་མ་འོད་དེ་ཡིན། །ཆེ་ཏྲོང་ཕུང་པ་ཕུས་མ་མཆིས། །ཕྱིར་སྒྲུ་ར་བའི་ཆེས་བརྒྱད་པ། །ཡལ་ཡུམ་གྱིས་ལ་ཆི་ལམ་མའ་། །ཤར་ཤོར་ཡལ་གྱི་
 ཆེ་ལམ་ན། །རིན་ཆེན་སྒྲེལ་གྱུ་དག་པ་ཡིན། །ཉིམ་ཤར་ཅིང་ཕུག་པ་ཆེས། །འཕུལ་མ་ཡུམ་གྱི་ཆི་ལམ་ན། །ཉིང་མུ་དག་པ་འོད་ཤིས་པ་ཆི། །ཆམ་ལངས་ཆིས་མཁར་སྒྲིམ་བཤེ། །འོད་གྱི་གནས་ནས་
 རིག་པ་ཅན། །ཕྱུང་ཤར་སྒྲིམ་ཆི་ཡིན་ཤིས། །རིག་པ་ཅན་གྱི་ལམ་ན་རི། །ཕྱག་ལས་ཉི་ཤར་ཁེ་ཕུང་ཀའི་ག །དམ་ཆེས་ཚུལ་མཁོན་ཕྱོད་པ་དང་། །ཤར་ཤོག་ཕུག་པ་ཕྱོད་ཕུང་། །ཡུམ་ལས་འོད་
 དག་ཤར་པ་དེ། །ཆེ་འོད་ཤར་ཤིན་ཏུ་པ་དང་། །ཆི་མའ་འགྲེལ་གཞི་ཅེས་གསུང་། །རིན་སྒྲུ་པ་འོད་བརྒྱན། །ཡུམ་གྱི་ཕྱུ་ལས་ཕུས་གའི་ག་འཕུངས། །ཁུང་ལོ་བརྒྱ་མཁོ་ཁོ་མཆི་མཁ། །གཞི་གཞི་
 རབ་ཕུང་བརྒྱུ་ཤིང་གསལ་མཛད། །ཕྱག་ཤར་ཕྱོགས་ཕྱོད་པ་འོད་གསལ། །གཞི་པ་ཕྱོད་ཤིང་འོད་པ་ཕྱག་པ་ཅན། །ཕྱུ་ལོ་འོད་ཆེན་དེས་གྲུ་པ་ལྷ། །གཞི་གཞི་སྒྲེལ་རབ་ཤིག་ཕྱོད་མཁ། །དེས་གྲུ་ཕུག་པས་
 ལོན་ཏུ་ཕྱོད། །ཁ་པ་སྒྲུ་མེ་ཤིས་ལ། །མེ་ཏྲོག་ཕྱོད་པ་འོད་ཤིས་བཅད་པས། །སྒྲུ་ག་ཤིག་པ་པ་གཞི་གཞི་ཕྱོད། །མེ་ཤིག་པ་ཕྱག་པ་ཅན་པ་འོད་ཤིང་ཕྱུ་ལ། །ཕྱུ་ལོ་འོད་ཆེན་དེས་གྲུ་པ་ལ། །
 བཟུང་བའི་མཆི་གནས་མེད་པ་གསལ་པས། །ཕྱུ་ལོ་འོད་ཆེན་པ་ཕྱུ་ལ། །པོ་ཤིང་ལོས་གསལ་ན་རི། །སྒྲིང་ཕུང་མེད་ཅི་ཅེར་ན། །ལོག་ཆིག་མེར་ཆིམ་ཏུ་ཤིང་། །མེ་ཤིང་མཁར་མ་བར་

[illegible]

[illegible]

ॐ नमः शिवाय ॥ १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

[illegible]

327

221

॥ दमोदरं देवेभ्यः केशवस्यै नमः ॥ दमोदरं देवेभ्यः केशवस्यै नमः ॥ दमोदरं देवेभ्यः केशवस्यै नमः ॥

[illegible]

[illegible]

330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादयोगो नाम त्रयोविंशोऽध्यायः ॥ ३३७ ॥

341

— 222 —

༡༥ མ་ལྷོ་སྤང་གི་གསང་བའི་མར་དཔଁས་ཀྱི་ཁྲིམ་གྱི་ལོ་རྒྱུས་ནི་བོ་ཆེ་ཉི་མའི་ཕྱི་ལོ་ལྟེན་ལ་ཐུག་པ་ལྟར།

1

TI444 - 343

[illegible]

[illegible]

[illegible]

346

[illegible]

[illegible]

348

[illegible]

352

[illegible]

[illegible]

[illegible]

358

TI444 - 360

359

༣༡

༡༣༨༨ མཁོད་མ་འི་ནལ་པ་འའི་ཕུང་བརྒྱ་འགའ་གི་གེ་ཤི་མཆན་ཁྱམ་གསལ་པ་རྩམ་མ་གཞུགས་ལོ།

༡

[illegible]

[illegible]

366

TI444 - 368

367

TI444 - 369

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

371

TI444 - 373

[illegible]

ལྷ་དཀར་པོའི་གཤམ་པ་རག་པའི་ལ་ཉེ། ལྷ་མི་འབྱུང་བརྒྱུད་པའི་གཤམ་པ་རྒྱུ་ལྷ་ཉེ།
 གསུང་ཚེས་པའི་ཚེས་སྤྱི་ལོ་ལོ་ལོ། ལས་དཀར་པོའི་ལྷ་པ་མཚན་པའི་ལོ་ལོ། ལྷ་གས་པའི་ལོ་
 ལྷ་དཀར་པོའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ། ལྷ་པའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ། ལྷ་པའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ།
 ལྷ་པའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ། ལྷ་པའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ། ལྷ་པའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ།
 ལྷ་པའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ། ལྷ་པའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ། ལྷ་པའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ།
 ལྷ་པའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ། ལྷ་པའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ། ལྷ་པའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ།
 ལྷ་པའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ། ལྷ་པའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ། ལྷ་པའི་ལྷ་པ་པའི་ལོ་ལོ།

374

རུ་ཆོས་དབྱིས་ཆོས་སྤྱི་དང་ཕྱོད། གཏུགས་དགར་ཤོས་ས་གསུམ་ཁྱུ་ཡར་སྤྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་
 རུ་ལ་རྩོམ་གསལ་ལ་ཕྱོད། རྒྱུ་དགར་ཤོས་ཆོས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་
 ལུ། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་
 ལུ། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་
 ལུ། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་
 ལུ། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་
 ལུ། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་ཕྱོད། རྒྱུ་ལས་ལུ་

[illegible]

378

[illegible]

380

TI444 - 382

382

[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise. It appears to contain multiple lines of handwritten or printed script, possibly in a non-Latin alphabet.]

384

TI444 - 386

x မည်သို့ပေးခဲ့ပါသနည်း

388

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

400

TI444 - 402

[illegible]

(

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

408

TI444 - 410

409

[illegible]

1

TI444-411

[illegible]

[illegible]

414

TI444 - 416

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

428

TI444 - 430

[illegible]

[illegible]

[illegible]

T1444 - 442

374 - 443

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000

[illegible][illegible][illegible]

Халхын улаан эрдэмтэн Заваа хэмээх хүрээ гавж Дамдин багшын талаар зүхс дурьдвал:

Халхын түшээт хан аймгийн Дайчин Бээсийн хошуу одоогын Дундговь аймгийн Дэлгэр Цогт сумын Тарцагтын Цагаан хад хэмээх бууцанд алдарт эрдэмтэн Заваа Дамдин гавж 1887 оны бар сарын шинийн гурван буюу цагаан сарын шинийн гурваны Дашням Балхням давхцсан сайн өдөр мэндэлжээ. Эцэг Шагдарын 5 дугаар хүү нь болон мэндэлжээ. Ээж Содномпил нь Сүхбаатар аймгийн Уулбаянаас нүүдэлтх ирсэн Орлуудын гаралтай бүсгүй байжээ. Тэндэхийн Дайчин бээсийн хошуудаас лам Луэсанбалдансанжаажав бээр Дамдин хаа хэмээн нэр хайрлаж хүйг нь угаасан багш нь болжээ. Ах лам Луэсанхамбаагаараа төөд үсгийн цагаан толгой заалгаж номынхоо гарааг эхэлсэн. Заваа ламтан багаасаа сэргэлэн цовоо нэгэн байсан бөгөөд иймээс аав ээж нь лам болгохоор Дэлгэрцогтын Цахиуртын жасаанд 6 настай байхад нь шавьлуулжээ. Заваа ламтан хоёр ээжтэй байсан. Төрүүлсэн ээж Содномпил мөн өрлөг ээж цагаан сүүгээ хөхүүлэн өсгөжээ. Балдансанжаажав ламтан шавьныхаа гоц эрдэмтэйг мэдэрч түүнийг 15 настай байхад нь Богдын хүрээний 3 их Дацангын нэг Гунгаачойлон дацанд шавьлан суулгаж Эрхэмийн аймгийн Минжүүр ламтанд шавь оруулснаар дом тавьж Чойрын 5 ухаанд тэгш боловсрон анги Дамбын гавж буюу тэр дацанг толгойлдог номтой лам нарын тоонд орж эхэлсэн.

Заваа ламын найз нар гэвэл Ховдын Жамц Гунгааренчин, Шүнгийн хэмээн алдаршсан Даш Чоймбал дацангын анги Шагдар нар байв. 1904 оны Луу жил 13 дугаар Далай лам Түвдэнжамц бээр Хүрээнд морилох тэр үеэр Далай ламтай шүнгийн Шагдар гавж ном хаялцахаар очих гэхэд нь найзын хувиар Заваа лам татгалзаж байжээ. Гэвч Шагдар гавьж өөртөө эрдэж Далай ламтай дагсал хаяж дийлджээ. Тэгээд гарч ирээд чиний үгэнд ордог байж хэмээн гэмшиж байсан гэдэг. 1911 онд Богд хаант Монгол Улс байгуулагдаж тэр үеийн Засгийн газарт лам нарын нөлөө их байжээ. 5 яамны 2 яамны сайд лам хүн байсан. Сангийн яамны сайд Шагдаржав, Дотоод хэргийн яамны сайд Да Лам Цэрэнчимэд мөн Сангийн яамны дэд сайд Луэсанбалдан нар байжээ. Иймээс номтой лам нарыг дэмжих байв. Тэр үеийн сайчуулын нэг болох Заваадамдин ламаар Монгол Улсын түүхийг бич хэмээн 8 дугаар Богд Жавзандамба өөрийн биеээр дуудан уулзаж зарилаг гарсан байдаг.

1921 оны Ардын хувьсгалын үед түр Монголын түүх бичих ажил зогсонг байдалд оржээ. Дараа нь Монголын түүх хаягийн комисс гурван гишүүнтэй байгуулагдахад гишүүд нь Сүхбаатарын багш Жамъянгүн Хэнтийн Батширээгийн Цэвээнхамсран Заваадамдин ламтан нар байв. Тэрээр Оросын Ширватский Рерих нартай багш шавийн холбоотой бөгөөд европын соёлтой хамгийн түрүүнд танилцсан хүн юм. Тиймээс Хорчойнхон алдарт Монголын түүхийн сударыг бүтээхдээ европын түүхтэй нягт холбон бичсэн байдаг. Заваа ламтан Төвдийн Лхасын Утай Гүнбэнд очиж мөргөл хийж явахдаа тэндэхийн Дамсаг ууланд байх Хуйшаны хийдэд очиж сүмийн үүдэнд газар ух хэмээн айлдаж, тэр ухсан газраас нь архилогийн үнэт олдвор болох дөрвөн улсын хэлээр бичсэн пайзыг ил гаргасанд Хуйшаа нар машид их баярлан өсөр том нээлт хийсэн хэмээн түүхэнд тэмдэглэсэн байдаг. Манай Төр засгийн зүтгэлтэн Хатанбаатар Магсаржав шавь нь байжээ.

Нийт 17 боть ном Төвд хэл дээр туйрвасан бөгөөд Дуу Нянагын талаар дахин даатагдашгүй ном гаргасан байдаг. 1937 онд таалал төгссөн бөгөөд таалал төгсөхийн урьд шавь нараасаа Майдар эргэх болж байна уу хэмээн асууж Гандангийн Майдар эргэх тэр үед очиж Майдарт даган баясахад Майдрын даамал бээр Заваа ламыг хүндэтгэн Майдрын цувааг зогсоож байсан иймэл хүндтэй хүн. 1989 онд Дээрхийн гэгээнтэн 14 дүгээр Далай лам Данзанхамц Монголын бурхан шашинтны төв гандан хийд дээр морилон саатах тэр үед Заваа ламын бичсэн Лавайн эгшиг хэмээх судрыг үзээд машид баярлан Монгол хүн тэгэх тусмаа хувьсгалын үед ийм гайхамшигтай бүтээл туйрвах гэж хэмээн хайлж байсан. Үнэхээр түүхэнд мөнхрөх эрдэмтэн хүн байсан байжээ.

Энэхүү товч намтарыг бичэн Заваа ламын нийт 17 боть номыг нийтийн хүртээл болгож буй Дундговь аймгийн Дэлгэрцогт сумын уугуул Дундговь хөгжил сангийн тэргүүн Түдэл овогтой Цэрэнпүрэв бээр та бүхэнд эрүүл энх урт удаан насалж номын цагван буян дэлгэрэхийн өрөөл дэвшүүлээ.

Ум сайн амгалан болтугай.

ཁོ་མོ་དེ་ན་མ་ས་ཡོན་ཏན་འདི་དག་གིས།

དྲིན་ཅན་བཞི་པོར་ཡར་ལུལ་ཞིང་།

ཁག་གིས་དེ་དག་མཐོང་ཐོས་ནས།

ཁོ་འདིར་ཆོས་ལ་རབ་བརྩོན་ནས།

ཁངས་རྒྱས་ཞིང་ཁམས་བརྒྱན་པ་དང་།

ཁན་སོང་སྐྱལ་བསྐྱལ་སེལ་བར་ཤོག།

ཁྱང་ཆུབ་སེམས་མཆོག་བསྐྱེད་པ་དང་།

ཁྱི་མར་དག་ཞིང་སྐྱེ་བར་བསྐྱོའོ། །

༡༡། རྣམ་དཀར་འདི་ཡིས་མཐའ་གྲས་ཁིང་གུན་གྱི། རྫོང་བཅུད་འབྱོར་བ་ལུ་འབྱུང་བ་དང་། བཀའ་དྲིན་ཁིང་མཆོག་བཞི་ཡི་དྲི་ལན་ལོར། འཇམ་འགྲོའི་གཡང་སར་ནམ་ཡང་མི་ལྷུང་ང་། འདི་
ལ་ཐོས་སོགས་བགྱིད་པའི་འབྲེལ་ཐོགས་གུན། བྱང་ཆུབ་སེམས་ཀྱི་བདུད་རྩིས་ཤེས་རྒྱུད་བརྒྱན། འདི་སྣང་འགགས་ཆོད་ག་པའི་ཁིང་བཟང་དུ། བརྟུ་ས་ཏེ་སྒྲིམ་ནས་དོན་གཉིས་མཐར་ཕྱོན་ག །
ཅེས་པ་འདི་ཡང་པར་སྒྲུན་གྱི་བྱ་བ་ཞག་འདིར་འགྲོ་གྲོན་གཏོང་མཁན་དང་། ལེགས་བཤད་འདི་ཉིད་འཛིན་འཆང་གྲོག་པ་སོགས་ཀྱི་དགོ་བསྟེན་སྒྲོན་ཆོག་ཏུ་བྲིས་པའོ། །སྨྲ་མཛུགས་ལོ། །

༥ སྤར་འགྲེམ་དང་མཐུན་འགྱུར་སྒྲུར་མཁན། ཐུའི་མན་ནང་པའི་ཤེས་ཡོན་བདེ་ཅུ་ལྟན་ཆོགས།
ཕྱག་དེབ་འདི་བཞིན་རིན་མེད་དུ་འགྲེམ་སྒྲེལ་བྱེད་པ་ལས་ཆོང་བསྒྱུར་བྱེད་མི་ཆོག སྤར་སྒྲུན་བྱེད་ཡུལ་ཐུའི་མན།
ཨོྭ་ནམ་ཡུལ་མེད་ལྟོ་ལ།

With bad advisors forever left behind, From paths of evil he departs for eternity,
Soon to see the Buddha of Limitless Light And perfect Samantabhadra's Supreme Vows.

The supreme and endless blessings of Samantabhadra's deeds, I now universally transfer.
May every living being, drowning and adrift, Soon return to the Pure Land of Limitless Light!

*** The Vows of Samantabhadra ***

I vow that when my life approaches its end, All obstructions will be swept away; I will see Amitabha Buddha,
And be born in His Western Pure Land of Ultimate Bliss and Peace.

When reborn in the Western Pure Land, I will perfect and completely fulfill
Without exception these Great Vows, To delight and benefit all beings.

*** The Vows of Samantabhadra Avatamsaka Sutra ***

DEDICATION OF MERIT

May the merit and virtue accrued from this work adorn the Buddha's Pure Land,
Repay the four great kindnesses above, and relieve the suffering of those on the three paths below.

May those who see or hear of these efforts generate Bodhi-mind,
Spend their lives devoted to the Buddha Dharma, and finally be reborn together in the Land of Ultimate Bliss.

NAMO AMITABHA! 南無阿彌陀佛 HOMAGE TO AMITABHA!

《藏文：至尊·洛桑大央文集 (ZAVAA LAMA 著作全集) 第十四冊》

Printed and donated for free distribution by **The Corporate Body of the Buddha Educational Foundation**

11F., 55 Hang Chow South Road Sec 1, Taipei, Taiwan, R.O.C.

Tel: 886-2-23951198 , Fax: 886-2-23913415, Email: overseas@budaedu.org , <http://www.budaedu.org>

This book is for free distribution, it is not for sale. Printed in Taiwan, 1,000 copies, January 2009

ཐུག་དཔེ་འདི་ཚོས་སྤྱོད་དུ་འབུལ་རྒྱུ་ལས། ཚོར་བསྐྱར་མི་ཚོག་པ་དགོངས་འཇགས་ལུ།

TI444 - 7582